प्रेसनोट

मुख्यमंत्री श्री गोरखनाथ मंदिर, गोरखपुर में होली मिलन समारोह में सम्मिलित हुए

पूरे देश और दुनिया में जहां कहीं भी सनातन धर्मावलंबी रहते,
वह आज रंगों के उत्सव होली को उमंग व उत्साह से मना रहे,
होली के इस आयोजन में कहीं पर कोई भेदभाव नहीं : मुख्यमंत्री

तत्कालीन समाज को महत्त्वपूर्ण दिशा देने वाली किसी महत्वपूर्ण घटना
को हमारी ऋषि परंपरा ने पर्व और त्योहार के रूप में सुरक्षित करके
आने वाली पीढ़ी के लिए नई प्रेरणा व प्रकाश प्रदान किया

प्रदेश में 01 लाख 61 हजार से अधिक स्थानों पर होलिका दहन
के कार्यक्रम संपन्न हुए, कहीं पर कोई समस्या नहीं आई

भारत ने कभी किसी के बारे में गलत नहीं कहा, न ही कभी
किसी का गलत किया, इसलिए भारत ने कभी गलत सहा भी नहीं

उत्साह का माहौल तभी होता, जब उपद्रव समाप्त होता और शांति होती,
हम भारतवासी इस बात पर गौरव की अनुभूति कर सकते हैं कि हम सुरक्षित

यदि हर व्यक्ति राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ जुड़कर अपने-अपने
क्षेत्र में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें, तब देश अवश्य प्रगति करता

होली जैसे पर्व हमें नए संकल्प और नए उत्साह से जोड़ते,
यह उत्साह केवल रंगों के प्रति नहीं होना चाहिए, बल्कि यह उत्साह
हम सभी को अपने कर्तव्यों का एहसास कराने वाला भी होना चाहिए

गोरखपुर :: 04 मार्च, 2026 :: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि आज होली का महान पर्व है। पूरे देश और दुनिया में जहां कहीं भी सनातन धर्मावलंबी रहते हैं, वह आज रंगों के उत्सव होली को उमंग व उत्साह से मना रहे हैं। सभी ने समरसता के इस पर्व को अपनी विरासत का हिस्सा बनाकर, पवित्र भाव के साथ आयोजित किया है। उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम, पूरे देश में सभी जगह लोग होली का आनंद ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी आज श्री गोरखनाथ मंदिर, गोरखपुर में आयोजित होली मिलन समारोह के अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने सभी को होली की हार्दिक बधाई दी तथा उपस्थित लोगों पर फूल बरसा कर होली खेली। उन्होंने कहा कि होली के इस आयोजन में कहीं पर कोई भेदभाव नहीं है। न कोई छोटा है, न कोई बड़ा है। न

कहीं छुआछूत है और न कहीं अस्पृश्यता है। सभी लोग एक दूसरे से मिलकर इस आयोजन में भागीदार बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पर्व और त्योहारों की हमारी एक विशिष्ट परंपरा है। तत्कालीन समाज को महत्त्वपूर्ण दिशा देने वाली किसी महत्वपूर्ण घटना को हमारी ऋषि परंपरा ने पर्व और त्योहार के रूप में हम सबके लिए सुरक्षित करके आने वाली पीढ़ी के लिए नई प्रेरणा व प्रकाश प्रदान किया है। होली, दीपावली, रक्षाबंधन जन्माष्टमी, विजयादशमी, शिवरात्रि, रामनवमी तथा नवरात्रि जैसे आयोजन जीवन के समग्र स्वरूप को आगे लेकर बढ़े हैं। इनमें एकांगीपन नहीं है, बल्कि सामूहिकता का भाव है। मथुरा–वृंदावन में पिछले 15 दिनों से होली के कार्यक्रम चल रहे हैं। गोकुल, वृंदावन, बरसाना, नंदगांव, गोवर्धन, मथुरा व अन्य स्थानों पर लाखों लोग एकत्र होकर होली के आयोजन में सहभागी बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि समाज के सभी तबके होली के आयोजन में एक साथ मिलकर सहभागी बने हैं। यह हमारी सबसे बड़ी ताकत है। समाज में सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ताकतें एक साथ मौजूद होती हैं। सकारात्मक सोच के साथ कार्य करने वाली ताकतें ही सदैव विजयी होती हैं। परसों होलिका दहन के कार्यक्रम संपन्न हुए हैं। उत्तर प्रदेश में 01 लाख 61 हजार से अधिक स्थानों पर होलिका दहन के कार्यक्रम संपन्न हुए हैं। कहीं पर कोई समस्या नहीं आई। इसी प्रकार देश भर में आयोजन हो रहे हैं, कहीं कोई समस्या नहीं आई।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि डर कर जीना जीवन नहीं है। आज हम होली के उत्सव के साथ जुड़कर आनंद की अनुभूति कर रहे हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि भारत की सोच सकारात्मक रही है। भारत सही दिशा में सोचता है। भारत ने कभी किसी के बारे में गलत नहीं कहा, न ही कभी किसी का गलत किया है। इसलिए भारत ने कभी गलत सहा भी नहीं है। वहीं दूसरी ओर दुनिया में डर, अव्यवस्था और अराजकता का माहौल है। हर व्यक्ति सहमा हुआ है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हम सभी होली का आनंद ले रहे हैं। यह उत्साह का माहौल तभी होता है, जब उपद्रव समाप्त होता है और शांति होती है। अशांत वातावरण तथा अराजकता के माहौल में उत्सव आयोजित नहीं होते हैं। वहां मानवता सहमी रहती है। दुनिया में कई जगह बमबारी हो रही है, वहां आतंकवाद और अराजकता है। उन देशों में हमारे देश जैसा उत्सव का माहौल नहीं है। हम भारतवासी इस बात पर गौरव की अनुभूति कर सकते हैं कि हम सुरक्षित हैं। हमें अपने देश पर, अपने देश के नेतृत्व पर और ईश्वरीय अवतारों पर गर्व की अनुभूति होती है। होली जैसे आयोजन गर्व करने की प्रेरणा देते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि श्री हरि विष्णु के अवतार भगवान नरसिंह अपने भक्त प्रहलाद की रक्षा करने के लिए अवतरित हुए थे। रामनवमी का पर्व भी आने वाला है। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के इस अवसर से हम हजारों वर्षों से जुड़ रहे हैं। भगवान श्रीराम ने त्रेता युग में जन्म लिया था, लेकिन हर युग में राम जन्म लेते रहे हैं। हमें यह याद रखना होगा कि श्री राम के जन्म के साथ, उस हेतु का निर्वहन करने के लिए, हनुमान जैसी भक्ति भी अपने अंदर लानी होगी। श्री कृष्ण भी हर कालखंड में आएंगे, लेकिन कृष्ण के लिए निमित्त मात्र बनने हेतु हम सबको अर्जुन बनने के लिए तैयार होना होगा। अराजकता और अधर्म को नष्ट करने के लिए भगवान नरसिंह जरूर आएंगे, लेकिन उसके लिए हमें भक्त प्रहलाद बनना पड़ेगा। भक्ति का यह भाव ही आज राष्ट्रभक्ति है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी इसी के सम्बन्ध में कहते हैं कि 'नेशन फर्स्ट' अर्थात देश पहले।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यदि हर व्यक्ति राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ जुड़कर अपने–अपने क्षेत्र में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना प्रारंभ करें, तब देश अवश्य प्रगति करता है। एक शिक्षक जब अपने पाठ्यक्रम को ससमय संपन्न करके अपने बच्चों को संस्कारित करता है, तो वह राष्ट्रभक्ति के अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहा होता है। इसी प्रकार एक श्रमिक जब अपने कर्तव्यों का पालन करता है, तो वह भी राष्ट्रभक्ति है। जब एक सैनिक सुरक्षा के अपने दायित्व का निर्वहन करता है, तो राष्ट्रभक्ति कर रहा होता है। इसी तरह एक चिकित्सक जब अपने चिकित्सीय सेवा कार्यों का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन कर रहा होता है, तो वह राष्ट्रभक्ति ही है। इसी प्रकार हर तबके का व्यक्ति जब अपने–अपने कर्तव्यों का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन कर रहा होता है, यही राष्ट्रभक्ति है। राष्ट्रभक्ति किसी आरती अथवा कर्मकांड से नहीं आती, बल्कि यह स्वतःस्फूर्त भाव से हमारे मन में आनी चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि होली जैसे पर्व हमें नए संकल्प और नए उत्साह से जोड़ते हैं। यह उत्साह केवल रंगों के प्रति नहीं होना चाहिए, बल्कि यह उत्साह हम सभी को अपने कर्तव्यों का एहसास कराने वाला भी होना चाहिए। अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की दृष्टि से ही आज हम सब इस पावन पर्व के साथ जुड़े हुए हैं।